AF-2066

B.A. (Part - II)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Hindi Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाएँ और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी गवाही दें।

अथवा

नीच-ऊँच सब एकहि ऐसे।
जैसे भडुए पंडित तैसे॥
कुल मरजाद न मान बड़ाई।
सबै एक से लोग लुगाई॥
जात पात पूछै नहि कोई।
हरि को भजै सो हरि का होई॥
वेश्या जोरू एक समाना।
बकरी गऊ एक करि जाना॥
सांचे मारे-मारे डोलै।
छली दुष्ट सिर चढ़ि-चढ़ि बोलै॥

(ख) क्रोध सब मनोविकारों से फुर्तीला है, इसी से अवसर पड़ने पर यह और मनोविकारों का भी साथ देकर उनकी तुष्टि का साधक होता है। कभी वह दया के साथ कूदता है, कभी घृणा के।

अथवा

विज्ञान की अपेक्षा कवि का दृष्टिकोण अधिक मानवीय होता है। वैज्ञानिक मनुष्य को भी पत्थर, मेंढक और बंदर की तुलना में रख उसे प्रकृति के धरातल पर ले आता है और कवि प्रकृति का भी मानवीकरण कर उसे भाव-समन्वित बना देता है। काव्य में विज्ञान का सा सामान्यीकरण रहते हुए भी वैयक्तिकता और आनंद की मात्रा अधिक रहती है।

(ग) मेरे लिए अमराई स्मृति नहीं है, साक्षात्कार है जीवन की वास्तविक सार्थकता का यंत्र चलित संचार में चल-फिर रहा हूँ, भूख और नींद तक सूरज के ऊपर आने या ढलने से नियंत्रित न होकर घड़ी से नियंत्रित हो गई है। पर तो भी स्वयं यंत्र-बद्ध नहीं हो पाया, इसका कारण एकमात्र मन पर छाया हुआ अमराई का साक्षात्कार है।

अथवा

हमने जिंदगी भर इबादत का ढिंढोरा पीटा, लेकिन खुदा के पास तक नहीं पहुँच सके। अगर पहुँच पाते तो चलते वक्त इतने गुनाहों का बोझ हमारे सर पर न होता। चलने का वक्त करीब आ रहा है। मुझे खुशी है कि आज जुमा है। हमने जिंदगी भर इबादत कर यही चाहा कि जुमा हमारा आखिरी दिन हो।

2. नाट्यशिल्प की दृष्टि से 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 8

अथवा

'अंधेर नगरी' नाटक युग-बोध की कसौटी पर खरा उतरा है। सिद्ध कीजिए।

3. 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी के शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

''मम्मी ठकुराइन एकांकी के कथानक का यथार्थ रोजमर्रा की जिंदगी का यथार्थ है।'' इस कथन की विवेचना करते हुए एकांकी की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

4. विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंध 'उस अमराई ने राम-राम कही है' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 8

अथवा

'बेईमानी की परत' निबंध में निहित व्यंग्य भ्रष्ट समाज का जीवन्त दस्तावेज है। स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्यकारों की कसौटी है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'काव्येषु नाटकं रम्यम' को समझाइए।

(ग) राहुल सांकृत्यायन के यात्रा-वृत्तांत की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(घ) महादेवी वर्मा जी की प्रमुख काव्य रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) हबीब तनवीर नाटक और लोक-नाट्य के बीच सेतु है। स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×15

(क) नाट्य विद्या पर रचित विश्व का प्राचीनतम् ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता का नाम बताइए।

(ख) 'अंधेर नगरी' किस प्रकार की रचना है?

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक में कितने दृश्य हैं?

(घ) क्रोध सभी मनोविकारों से फुर्तीला होता है। किसने कहा था?

(ङ) 'बसन्त आ गया है' किस प्रकार का निबंध है?

(च) बाबू गुलाबराय द्वारा रचित निबंध का नाम लिखिए।

(छ) अमराई से जुड़ने का अर्थ क्या है?

(ज) बेईमानी की परत निबंध किस विषय पर आधारित है ?

(झ) केदार पाण्डेय किसके बचपन का नाम है ?

(ञ) आलमगीर किस एकांकी का पात्र है ?

(ट) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के प्रमुख निबंध संग्रह का नाम लिखिए।

(ठ) 'एक दिन' एकांकी की नायिका का नाम लिखिए।

(ड) उदयशंकर भट्ट रचित एकांकी का नाम बताइए।

(ढ) राहुल सांकृत्यायन का जन्म कहाँ हुआ था ?

(ण) महादेवी वर्मा रचित किन्हीं तीन काव्य कृतियों के नाम लिखिए।

(त) हबीब तनवीर का जन्म कहाँ हुआ था ?

(थ) 'सदाचार की ताबीज' नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(द) पाठ्यपुस्तक में संकलित प्राख्यात व्यंग्य लेखक का नाम लिखिए।

(ध) 'स्मृति की रेखाएँ' के रचयिता का नाम लिखिए।

(न) 'अशोक के फूल' किसका निबंध है?